

संज्ञा का रूपांतरण (Noun Transformation)

एक रूप से दूसरे रूप में परिवर्तन के नियम

हिन्दी व्याकरण में अक्सर जातिवाचक संज्ञा, विशेषण, क्रिया और अव्यय शब्दों को 'भाववाचक संज्ञा' में बदला जाता है। इसके मुख्य नियम निम्नलिखित हैं:

1. जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनाना

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
बच्चा	बचपन
बुढ़ा	बुढ़ापा
मित्र	मित्रता
मनुष्य	मनुष्यता / मानवता
पशु	पशुता / पशुत्व

2. विशेषण से भाववाचक संज्ञा बनाना

विशेषण (Adjective)	भाववाचक संज्ञा
मीठा	मिठास
चतुर	चतुराई
सुन्दर	सुन्दरता / सौन्दर्य
कठोर	कठोरता
गहरा	गहराई

3. क्रिया से भाववाचक संज्ञा बनाना

क्रिया (Verb)	भाववाचक संज्ञा
पढ़ना	पढ़ाई
लिखना	लिखावट
थकना	थकान / थकावट
हँसना	हँसी
सजाना	सजावट

4. सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा बनाना

सर्वनाम (Pronoun)	भाववाचक संज्ञा
अपना	अपनत्व / अपनापन
निज	निजता / निजत्व

5. अन्य महत्वपूर्ण रूपांतरण

व्यक्तिवाचक का जातिवाचक के रूप में प्रयोग: जब किसी व्यक्ति के नाम का प्रयोग उसके गुणों के कारण पूरे वर्ग के लिए किया जाए।

उदाहरण: "आज के युग में भी **हरिश्चन्द्रों** की कमी नहीं है।" (यहाँ हरिश्चन्द्र व्यक्तिवाचक से जातिवाचक बन गया है क्योंकि यह सत्यवादी लोगों के समूह को दर्शाता है।)

जातिवाचक का व्यक्तिवाचक के रूप में प्रयोग: जब कोई जातिवाचक शब्द किसी विशेष व्यक्ति के लिए रूढ़ हो जाए।

उदाहरण: "**नेताजी** ने आजाद हिन्द फौज का गठन किया।" (यहाँ 'नेताजी' शब्द केवल सुभाष चन्द्र बोस के लिए प्रयुक्त हुआ है।)

याद रखें: भाववाचक संज्ञाएँ हमेशा एकवचन में प्रयुक्त होती हैं। जब इन्हें बहुवचन में प्रयोग किया जाता है, तो ये जातिवाचक संज्ञा बन जाती हैं। (जैसे: दूरी -> दूरियाँ)